कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या........ 89576

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें ।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय .... सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन .... मंगलवार

दिनांक 17/02/2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	18	19	4
2	6	20	3
3	12½	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	3	योग	78½
15	3	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	79	उनियासी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर........ संकेतांक 7 0 1 0 8

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

☆ उत्तरमाला ☆

(खण्ड - अ)

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 1

(i) (द) ज्यूसेपे मेत्सिनी

(ii) (ब) ~~आय~~ अफ्रीका

(iii) (द) उत्पादन में वृद्धि

(iv) (अ) ई.वी. रामास्वामी नायकर

(v) (ब) 1878

(vi) (अ) पुरानी जलोढ़ मृदा

(vii) (अ) राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण की स्थानीय संरचनाएँ

(viii) (अ) सीमेंट

(ix) (अ) राष्ट्रीय मार्ग

(x) (द) सामुदायिक सरकार

(xi) (स) 1948

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(xii)	(ब) नारीवादी
	(xiii)	(स) बहुजन समाज पार्टी
	(xiv)	(ब) राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन
	(xv)	(द) जल
12	(xvi)	(ब) सरकार
	(xvii)	(ब) आयत पर कर
	(xviii)	(स) कृषि उत्पाद पर
6		प्रश्नोत्तर क्रमांक – 2
	(i)	1804 की नागरिक संहिता को आमतौर पर नेपोलियन की संहिता के नाम से जाना जाता है।
	(ii)	रेगर काली मृदा का नाम है।
	(iii)	वन विभाग के अनुसार देश के कुल वन क्षेत्र का एक-तिहाई हिस्सा रक्षित है।
	(iv)	बेल्जियम की राजधानी का नाम ब्रुसेल्स है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(v) रेल्वे अथवा डाकघर सार्वजनिक क्षेत्रक के उदाहरण है।

(vi) प्रौद्योगिकी में तीव्र उन्नति वह मुख्य कारक ~~वैश्वीकरण~~ है जिसने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया।

प्रश्नोत्तर क्रमांक – 3

(i) वीटो या निषेधाधिकार वह अधिकार होता है जिसमें ~~अ~~ व्यक्ति या समूह किसी कार्य को करने के लिए मना कर देता है ~~स~~ अर्थात् स्वीकार भी कर सकता है व मना है भी, यह देश के राष्ट्र अध्यक्ष के पास होता है।

(ii) मुद्रण संस्कृति से गरीब जनता को लाभ –
(1) इससे गरीब लोगों को किताबे पढ़ने व लिखने का मौका मिला
(2) लोगों को जानकारीयाँ मिलना और रोजगार के अवसर

(iii) मुद्रण की पहली तकनीक यूरोपीय व एशीयन देशों में विकासिक हुई जिसमे प्रमुख देश (1) चीन (2) जापान

(iv) सतत विकास का अर्थ है विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाएँ हो और जिसमे ~~अति~~ ~~वर्तन~~ वर्तमान सतत विकास की प्रक्रिया भविष्य की जीवीय पीढ़ियों की अवहेलना न करें।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर क्रमांक – 3

(v) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भूमिका वृक्षारोपण करने करके, लोगों को पर्यावरण के प्रति जन जागरूक करके और वृक्षारोपण अभियान चलाकर प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में स्थानीय समुदाय की भूमिका होती है

(vi) लौह और इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग इसलिए कहते है क्योंकि इसमे कच्चे माल के लिए प्राथमिक उत्पादों की व द्वितीय उत्पादों की भी आवश्यकता है ये आधारभूत होते है।

(vii) श्रीलंका में अधिकांश आबादी जो जातीय समूहों में बँटी हुई है :- जो निम्न है

(1) सिंहली (2) श्रीलंकाई तमिल (3)

(viii) साम्प्रदायिकता के सबसे बुरे स्वरूप ~~जाति~~ जातिवाद सबसे प्रमुख है।

(ix) राजनीति में गठबंधन या मोर्चा तब होता है जब दो या दो से अधिक राजनीतिक दल एक साथ मिलकर सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से चुनाव लड़ते है इस प्रकार बनी सरकार गठबन्धन या मोर्चा कहलाती है।

BSER-177/2024

1½

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(X) सिक्कों को चलने से पहले मुद्रा का रूप →
(1) वस्तु विनिमय प्रणाली (2) कौडी प्रणाली (3) धातु के टुकडे प्रणाली (4) आहत सिक्के ।

(Xi) (1) क्योंकि उनके पास तकनीकी व प्रौद्योगिकी उपलब्ध है
(2) इनसे उनकी आय भी बढ़ती है।

(Xii) 1960 के दशक में उपभोक्ता आंदोलन के उद्देश्य
(1) उपभोक्ताओं को शोषण से किया जाता था
(2) उपभोक्ताओं को मिलावटी वस्तुएँ, खराब वस्तुएं व कम तौल कर उनका शोषण किया जाता था इसलिए उपभोक्त आंदोलन का उदय हुआ।

(खण्ड - ब)

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 4

उन्नसवी सदी में कलाकारों ने एक देश को कुछ यूँ चित्रित किया जैसे वह कोई व्यक्ति हो इसमें जैसे - जर्मनी के अन्दर जर्मेनियों है जिसके एक हाथ में तलवार, शील्ड है और जर्मनी की ऐतेहासिक पृष्ठभूमि को दर्शाती है वैसे फ्रांस में भी मारीआन है जो फ्रांस की स्वतंत्रता का प्रतीक है।

2

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 5

द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल धुरी शक्तियाँ के नाम →
(1) जर्मनी (2) जापान (3) इटली (4) ऑटोमन तुर्की व अनेक धुरी देश।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 6

भारत मे सिंचित भूमि के बढने से अनेक समस्याएँ है - (1) भूमि का दलदला होना जाना
(2) मिट्टी की उर्वरता मे कमी
(3) पोषक तत्वों का नष्ट हो जाना जो मिट्टी में उपस्थित है।
(4) सिंचाई अधिक करने से जीम बंजर भूमि का अधिक होना
(5) अधिक सिंचाई से मृदा लवणीकरण भी हो जाता है।

2

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 7

"ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा उत्पादन है यह कथन बिल्कुल सत्य है हमें ऊर्जा के संसाधनो का संरक्षण करना चाहिए क्योंकि पृथ्वी पर दो तरह गैर परम्परागत व आधुनिक रूपों में ऊर्जा संसाधन विद्यमान है (1) हमे ऊर्जा के संसाधनो का उचित मात्रा मे प्रयोग करना चाहिए (2) ऊर्जा संसाधनो में हमे परिवहन के रूप मे प्राकृतिक गैस का उपयोग करना चाहिए (3) सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा व भूतापीय ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए (3) पेट्रोल व डीजल का कम से कम मात्रा मे उचित प्रबंधन करना चाहिए। ऊर्जा को एक रूप से दूसरे रूप मे बदल ऊर्जा का संरक्षण कर सकते है। अतः वर्तमान में ऊर्जा संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

2

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर क्रमांक – 8

(2) राजनीबती मे जाति अनेक रूप ले सकती है जैसे राजनीति मे जाति जब किसी विशेष जाति के लोग का बहुमत होता है जैसे श्रीलंका मे सिंहली भाषा के लोगों की संख्या ज्यादा होने के कारण उस भाषा को राज्यभाषा किया कर दिया इस प्रकार राजनीति मे जाति के अनेक रूप है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक 9

(2) (1) विपक्षी दल लोकतन्त्र मे जो सत्ता धारी दल के विरोध के पक्ष में अपनी भूमिका निभाता है। विपक्षी दल सरकार की असफलताओं (2) व कमियों को जनता के सामने लाती है। (3) विपक्षी दल सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करता है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक – 10

(2) यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट में देशों की तुलना की प्रति व्यक्ति आय व राष्ट्रीय आय के आधार पर की जाती है। इसमें साक्षरता दर, लिंगानुपात आदि सभी महत्वपूर्ण चीजे है। प्रति व्यक्ति आय व राष्ट्रीय सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्य (1) शिक्षा (2) चिकित्सा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 10

रोजगार सृजन के उपाय

(1) लघु व कुटीर उद्योगों में रोजगार के सृजन

(2) सेवा क्षेत्र में भी निजी कम्पनियों में रोजगार मिल जाता है

(3) औद्योगिक क्षेत्र जैसे कारखानों में श्रमिकों को रोजगार मिल जाता है।

(4) मत्स्यपालन, पशुपालन का बड़े स्तर पर रोजगार सृजन हेतु आवश्यक है

(5) रोजगार के अन्य अनेक उपाय भी है।

2

प्रश्नोत्तर क्रमांक ~~प्रश्नावली~~ 12

संकल घरेलू उत्पाद में मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को शामिल इसलिए नही किया जाता है क्योंकि इससे तीनों क्षेत्रक के योगदान को जोडने में काफी समस्याएं आ आती है व संकल घरेलू उत्पाद में अधिक परेशानी होती है।

2

प्रश्नोत्तर क्रमांक ~~प्रश्नावली~~ 13

जब बहुराष्ट्रीय कंपनी स्थानीय कंपनी के साथ सयुंक्त उत्पादन करती है तो उससे अनेक लाभ → (1) स्थानीय कंपनी की वस्तुओं का अधिक उत्पादन व प्रतिस्पर्धा में बाजार में अच्छे से बिकते है।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(2) संयुक्त उत्पादन करने से स्थानीय कंपनी की आय में बढ़ोतरी होती है व बड़े स्तर पर उत्पादन में वृद्धि होती है।

(खण्ड – द)

प्रश्नोत्तर क्रमांक – 18

महात्मा गाँधी के नेतृत्व में हुए प्रमुख आंदोलन →

(1) असहयोग आंदोलन → महात्मा गाँधी के नेतृत्व में यह आंदोलन जनवरी 1921 में चलाए गया था इस आंदोलन में ब्रिटिश अधिकारियों को असहयोग प्रदान करना था इस आंदोलन के कारण है रॉलेट एक्ट, करों में वृद्धि, मूल्यों में वृद्धि सेना में जबरन भर्ती व सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ यह आंदोलन चलाया गया। यह आंदोलन 1921 में चलाया गया इसमें ब्रिटिश सरकारी की वस्तुओं का बहिष्कार किया गया, व्यापार का रोक लगायी गई, शराब की दुकानों पर धरना दिया गया, आदि रणनीतियाँ शामिल है। असहयोग आंदोलन में शहरों में प्रभाव – (1) विद्यार्थियों ने स्कूल, कॉलेज छोड़ दिये व (2) शिक्षकों ने स्तीफे दे दिए गए, वकीलों ने वकालत करना छोड़ दिया है। (3) गाँवों में किसानों ने तालुकदारों व व्यापारी ऊपर हमले किए, पुलिस को मारने लगे और आंदोलन में मुख्य रूप से योगदान दिया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2) सविनय अवज्ञा आंदोलन – यह आंदोलन मुख्य रूप से ब्रिटिश सरकार के द्वारा नमक कर को हटाने के खिलाफ महात्मा गाँधी ने मार्च 1930 में अपने 78 विश्वस्त कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर साबरमती आश्रम से दांडी 240 किलोमीटर पैदल चलकर दांडी नामक स्थान पर पहुचक समुद्र का पानी उबाल कर नमक कानून का उल्लघंन किया। इससे ब्रिटिश सरकार के बीच तीव्र आक्रोश उत्पन्न हो गया। इससे अनेक लोगों ने नमक कानून तोडकर सरकारी कारखानों के सामने प्रदर्शन किया। इस आंदोलन के जरिए ब्रिटिश सत्ता का शासन कमजोर हो गया।

5

(3) भारत छोडो आंदोलन → यह आंदोलन महात्मा गाँधी ने सन 1942 में शुरू किया क्रिप्स मिशन की असफलता के बाद यह आंदोलन एक जन आंदोलन था, इसमे अनेक लोगों ने भाग लिया। इस आंदोलन में गाँधी जी ने प्रसिद्ध "करो या मरो" का नारा दिया, यह आंदोलन अंग्रेजो को सत्ता छोड़ने के लिए चलाया गया। 14 जुलाई में वर्धा मे कांग्रेस समिति ने सत्ता भारत के लोगों को हस्तांरित कर भारत छोडने का प्रस्ताव किया। अत: महात्मा गाँधी ने प्रमुख आंदोलन चलाए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 19

संघीय शासन व एकात्मक शासन में अन्तर →

	संघीय शासन	एकात्मक शासन
1.	संघीय शासन व्यवस्था में सत्ता का बँटवारा विभिन्न स्तरों में होता है।	लेकिन एकात्मक शासन व्यवस्था में सत्ता का एक मालिक होता है या तानाशाही
2.	संघीय शासन में शक्तियों का बँटवारा राज्य सरकार, केन्द्र सरकार व सामुदायिक सरकार के बीच होता है।	एकात्मक शासन व्यवस्था में सारी शक्तियाँ संघ के पास होती है।
3.	संघीय में पूरे देश की सरकार केन्द्र व राज्य की सरकार राज्य में होती है	एकात्मक में शासन में केन्द्र के पास सारी ताकत होती है
4.	संघीय शासन व्यवस्था में सरकारे अपने कामों व अधिकारों के लिए संविधान के नियमों और विनियमों का पालन करती है।	एकात्मक शासन व्यवस्था में केन्द्र सरकार द्वारा ही शक्ति व अधिकार प्रदान किए जाते हैं।
5.	संघीय में राज्य का संघ होता है।	इसमें ऐसा नही होता है।
6.	संघीय व्यवस्था में प्रत्येक को शक्तियाँ का बँटवारा होता है	एकात्मक में शक्तियाँ केन्द्र द्वारा राज्य पर सौपी जाती है
7.	इसमे केन्द्र व राज्य दोनो बराबर	इसमें केन्द्र अधिक शक्तिशाली जैसे - दक्षिण कोरिया व उत्तरी कोरिया
8.	जैसे भारत, स्पेन, कनाडा।	

(4)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड - स)

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 14

मशीनी उद्योगों के युग से पहले अन्तर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार भारत की ख्याति बहुत अच्छी थी, भारत में सूती वस्त्र का उत्पादन सबसे अधिक अच्छा था इसमें ऊनी वस्त्र का भी उत्पादन सबसे अच्छा था, भारत के सूती वस्त्र उद्योग में पटसन उद्योग सबसे महत्वपूर्ण है इसमें सबसे अधिक उत्पादन सूती वस्त्र में हुआ, सूती वस्त्र का उत्पादन हथकरघों से बनाना जाता है, हथकरघों में उत्पादन धीमी स्तर पर होता था इसलिए सूती वस्त्र धीमी स्तर पर भी बड़े पैमाने पर बनता था। कपास का अच्छा उत्पादन होने के कारण भारत के सूती वस्त्र में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। कपड़ा बाजार भारत में सूती वस्त्र में 44 प्रतिशत था। इससे भारत का कपड़ा अच्छा व सुन्दर सजावटी द्वारा तैयार होता था, कपड़ा बाजार में भारत विश्व में चीन के बाद दूसरा प्रमुख उत्पादक रहा है, भारत में कपड़े उत्पादक क्षेत्र गुजरात में सूरत, अहमदाबाद आदि आदि प्रमुख है।

2

Roll No.

P-08-Social Science

प्रवेशिका परीक्षा, 2026
PRAVESHIKA EXAMINATION, 2026
सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

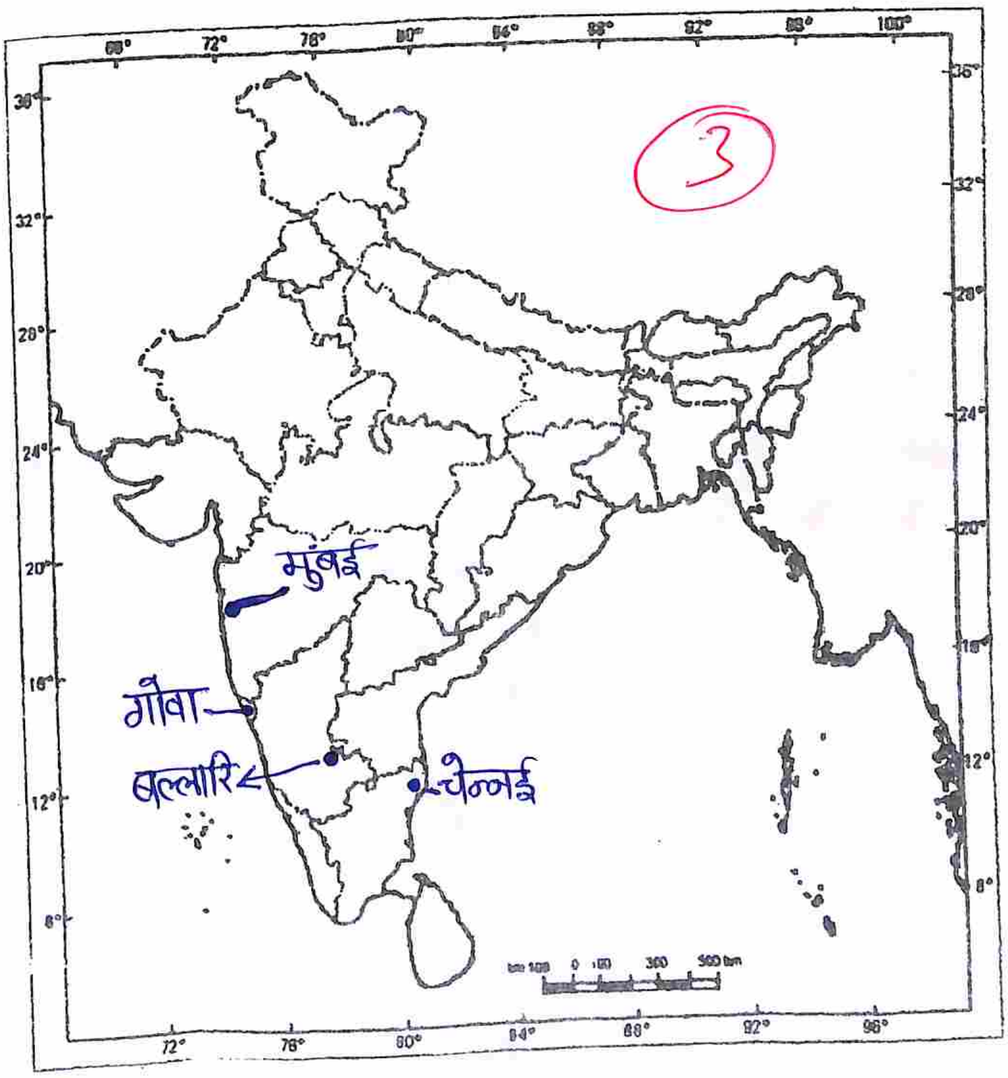

यहाँ से काटें ---------- Cut Here ----------

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड - स)

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 14

मशीनी उद्योगों के युग से पहले अन्तर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार भारत की स्थिति बहुत अच्छी थी, भारत में सूती वस्त्र का उत्पादन सबसे अधिक अच्छा था इसमें ऊनी वस्त्र का भी उत्पादन सबसे अच्छा था, भारत के सूती वस्त्र उद्योग में पटसन उद्योग सबसे महत्वपूर्ण है इसमें सबसे अधिक उत्पादन सूती वस्त्र में हुआ, सूती वस्त्र का उत्पादन हथकरघों से बनाना जाता है, हथकरघों में उत्पादन धीमी स्तर पर होता था ~~इसलिए~~ इसलिए सूती वस्त्र धीमी स्तर पर भी बड़े ~~पैमा~~ पैमाने पर बनता था। कपास का अच्छा उत्पादन होने के ~~कारण~~ कारण भारत के सूती वस्त्र में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। कपड़ा ~~बाज~~ बाजार भारत में सूती वस्त्र में 44 प्रतिशत था। इससे भारत का कपड़ा अच्छा व सुन्दर ~~हथकरघा~~ सजावटी द्वारा तैयार होता था, कपड़ा बाजार में भारत विश्व में ~~दूस~~ चीन के बाद दूसरा प्रमुख उत्पादक रहा है, भारत में कपड़े उत्पादक क्षेत्र गुजरात में सूरत, अहमदाबाद आदी आदि प्रमुख है।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 15

झूमिंग कृषि मे किसान अपने परिवार के साथ मिलकर आदिम औजारों से जमीन के टुकड़ों को साफ कर करता है, इसमें किसान जंगल मे किसी टुकड़े जमीन के टुकड़े को जलाकर उस पर खेती करता है। झूमिंग कृषि को झारखण्ड मे पोडू कहते हैं।

पर्यावरण के प्रतिकूल → (1) झूमिंग कृषि पर्यावरण के प्रतिकूल है क्योंकि इसमें वृक्षों को जलाकर जमीन साफ कि जाती है। (2) झूमिंग कृषि में मिट्टी की उर्वरता क्षमता में कमी आती है। (3) जंगलो को जलाने से अनेक जीव - जन्तुओं का आवास नष्ट हो जाता है। (4) झूमिंग कृषि पर्यावरण के बहुत बड़े हिस्से का नुकसान करती है। (4) झूमिंग कृषि के लिए पेडों को जलाने से वायु का भी प्रदूषण होता है। (5) झूमिंग कृषि पर्यावरण के लिए बहुत ही प्रतिकूल है। अतः झूम कृषि पर्यावरण को अनेक स्तर पर प्रतिकूल करती है। अतः भारत मे भी अनेक स्थानों पर झूम कृषि होती है।

3

प्रश्नोत्तर क्रमाक - 16

• लोकतन्त्र में नागरिक की गरिमा व आजादी मे वृद्धि होती है:- निम्नलिखित प्रकार से है:-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1) लोकतन्त्र में नागरिकों को स्वतन्त्रता का अधिकार होता है इसमें वे अपने आकांक्षाओं व मांगों को सरकार तक पहुंचाते है। लोकतन्त्र मे सभी को समानता का अधिकार होता है। इसलिए इसमें सभी लोगों की भात बातों को महत्वपूर्ण रखते है

(2) स्वतन्त्रता का अधिकार – इसमें व्यक्तियों को स्वतन्त्रता का अधिकार होता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक अपनी बातो सामने रख सकता है। इसमें किसी प्रकार के प्रतिबन्ध नही होते है।

(3) समानता का अधिकार – लोकतन्त्र में सभी लोगों को समानता का अधिकार है जिसमे लोगों में किसी प्रकार का भेदभाव नही रहता है।

(4) शोषण के विरुद्ध अधिकार – लोकतन्त्र मे हम किसी भी लोगों को शोषण नही कर सकते है है यह कानूनी अपराध है।

(5) अत: लोकतन्त्र मे मौलिक अधिकारों की वजह व्यक्तियों को अनेक प्रकार के लाभ होते है, लोकतन्त्र मे नागरिकों की गरिमा व आजादी में वृद्धि होती है।

3

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 17

सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली →

सहकारी समितियाँ ग्रामीण क्षेत्रों मे लोगों को ऋण उपलब्ध करवाती है। जिससे किसान ऋण लेकर अपना कृषि कार्य करता है। इसमे सहकारी समितियाँ ग्रामीण क्षेत्र मे किसानों को ऋण प्रदान करने मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ग्रामीण किसान अगर औपचारिक क्षेत्र मे ऋण लेता है तो अधिकतर सहकारी समितियों से लेता है। ~~ग्रामीण~~ सहकारी समितियों के कार्य

(1) किसानों को ऋण उपलब्ध करवाना

(2) ग्रामीण लोगों को अपनी आवश्यकतों की पूर्ति करने के लिए ऋण उपलब्ध ~~करवाना~~ करवाना

(3) किसानों को ~~सहमितियाँ~~ सहकारि समितियाँ कृषि सम्बन्धी उपकरण खरीदने के लिए ऋण उपलब्ध करवाती है।

(4) सहकारी समितियाँ किसानों की आय को बढ़ाने मे सबसे महत्वपूर्ण

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		समाप्त

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024